मंगलवार, 30 जून, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

**ताज़मिन ब्रिट्स के तूफानी शतक से नीदरलैंड को 88 रन से हराया**

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

**हैवान में नेगेटिव रोल करेंगे अक्षय**

Page-05

## यूरोप में भीषण गर्मी का कहर कई देशों में टूटे तापमान के रिकॉर्ड

तृणमूल कांग्रेस (TMC) में अंदरूनी कलह का एक और संकेत तब मिला, जब बागी विधायक ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले एक गुट ने सोमवार को एक नई कमेटी बनाने और पार्टी में दूसरे सबसे बड़े नेता अभिषेक बनर्जी को सस्पेंड करने की घोषणा की। जानकारी के मुताबिक टीएमसी के बागी विधायकों ने तृणमूल कांग्रेस के पार्षदों के साथ एक सीक्रेट मीटिंग की। सूत्रों के मुताबिक बैठक में तृणमूल कांग्रेस के नाम और लोगो का इस्तेमाल किया गया, लेकिन ममता बनर्जी की तस्वीर का इस्तेमाल नहीं किया गया। साथ ही, सूत्रों के मुताबिक, इस सीक्रेट मीटिंग से आने वाले दिनों में अभिषेक बनर्जी के खिलाफ सख्त एक्शन लेने का फैसला किया गया है। बताया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल के विपक्षी नेता और बागी विधायक ऋतब्रत बनर्जी ने आज दोपहर न्यू टाउन के एक होटल में तृणमूल के पुराने और मौजूदा पार्षदों के एक ग्रुप से एक जरूरी सीक्रेट मीटिंग की। इस सीक्रेट मीटिंग में करीब 60 से 70 पार्षद और बड़े नेता शामिल हुए। इस मीटिंग में राज्य के पुराने मंत्री और विधायक जावेद खान, अरूप रॉय और कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कई पार्षद मौजूद थे। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में 11 सदस्यों की कमेटी बनाई गई है। अरूप रॉय को इस नेशनल वर्किंग कमेटी का प्रेसिडेंट बनाया गया है। सूत्रों का यह भी कहना है कि एक प्रस्ताव पास करके अभिषेक बनर्जी को सस्पेंड कर दिया गया है। गौरतलब है कि इस सीक्रेट मीटिंग में तृणमूल कांग्रेस पार्टी के नाम और लोगो का इस्तेमाल तो किया गया, लेकिन ममता बनर्जी की कोई तस्वीर इस्तेमाल नहीं की गई।

# राम मंदिर दान मामले की जांच में तेजी

## प्रमुख लोगों को भेजे जा सकते हैं नोटिस

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को मिले दान में कथित वित्तीय अनियमितताओं और हेराफेरी के आरोपों की जांच अब तेज होती दिखाई दे रही है। पुलिस और जांच एजेंसियों ने मामले से जुड़े दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड की समीक्षा शुरू कर दी है। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार जांच के अगले चरण में ट्रस्ट से जुड़े कई प्रमुख पदाधिकारियों और संबंधित व्यक्तियों को पूछताछ के लिए औपचारिक नोटिस जारी किए जा सकते हैं। जांच एजेंसियों का कहना है कि सभी पक्षों के बयान दर्ज करने के बाद ही पूरे मामले की स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी।सूत्रों के मुताबिक, जांच के दायरे में ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय, पूर्व ट्रस्टी अनिल मिश्रा तथा ट्रस्ट से जुड़े गोपाल राव सहित कई अन्य लोगों के नाम भी शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि इन व्यक्तियों को नोटिस भेजने का उद्देश्य किसी को दोषी ठहराना नहीं, बल्कि मामले से जुड़े तथ्यों और घटनाक्रम की जानकारी प्राप्त करना है। जांच दल यह समझने का प्रयास कर रहा है कि दान राशि के संग्रह, रखरखाव और उपयोग की प्रक्रिया किस प्रकार संचालित की गई और क्या कहीं किसी स्तर पर नियमों का उल्लंघन हुआ।पुलिस का कहना है कि अब तक विभिन्न दस्तावेजों, बैंक रिकॉर्ड और संबंधित अभिलेखों की जांच की जा रही है। यदि आवश्यकता पड़ी तो वित्तीय विशेषज्ञों और लेखा परीक्षकों की सहायता भी ली जा सकती है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि कथित अनियमितताओं के आरोपों में कितना तथ्य है और क्या किसी प्रकार का आर्थिक नुकसान हुआ है।उधर, ट्रस्ट से जुड़े लोगों का कहना है कि सभी वित्तीय लेन-देन निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार किए गए हैं। उनका दावा है कि यदि जांच एजेंसियां कोई जानकारी मांगती हैं तो पूरा सहयोग दिया जाएगा। ट्रस्ट का यह भी कहना है कि श्रद्धालुओं के दान का उपयोग मंदिर निर्माण और उससे जुड़े विकास कार्यों में पारदर्शी तरीके से किया गया है।इस मामले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भी चर्चा जारी है। विपक्ष पारदर्शी जांच की मांग कर रहा है, जबकि कई धार्मिक संगठनों ने जांच पूरी होने से पहले किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचने की अपील की है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जांच एजेंसियां किन तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करती हैं और क्या इस मामले में किसी के खिलाफ औपचारिक आरोप तय किए जाते हैं।

## नोएडा की हाईराइज सोसायटी में एसी यूनिट फटने से लगी भीषण आग

दिल्ली-एनसीआर में लगातार बढ़ रही गर्मी के बीच एयर कंडीशनर से जुड़ी आग की घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं। इसी क्रम में सोमवार को नोएडा के सेक्टर-119 स्थित एक हाईराइज आवासीय सोसायटी में एसी यूनिट में हुए कथित विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। घटना के बाद पूरी इमारत में अफरा-तफरी मच गई और लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार आग 22वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में लगी। शुरुआती जांच में आशंका जताई गई है कि एसी यूनिट में तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट के कारण तेज धमाका हुआ, जिसके बाद आग तेजी से पूरे फ्लैट में फैल गई। आग की लपटें और धुआं दूर से दिखाई देने लगा, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई।सूचना मिलते ही दमकल विभाग की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने ऊंची इमारत में पहुंचकर आग बुझाने और लोगों को सुरक्षित निकालने का अभियान शुरू किया। गौतमबुद्ध नगर के मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) तथा स्थानीय पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और पूरे राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी की। समय रहते कार्रवाई होने से आग को अन्य फ्लैटों तक फैलने से रोक लिया गया।घटना के समय कई परिवार अपने घरों में मौजूद थे। सुरक्षा के मद्देनजर पूरी इमारत को कुछ समय के लिए खाली कराया गया। राहत की बात यह रही कि किसी बड़ी जनहानि की सूचना नहीं मिली, हालांकि कुछ लोगों को धुएं के कारण सांस लेने में दिक्कत हुई, जिन्हें प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया।

## मुहर्रम जुलूस को निशाना बनाने की साजिश नाकाम

मुंबई में मुहर्रम के अवसर पर बड़े पैमाने पर जनहानि पहुंचाने की कथित साजिश का पुलिस ने समय रहते खुलासा कर दिया। जांच एजेंसियों के अनुसार एक आरोपी ने कथित तौर पर ऑनलाइन माध्यम से जिंक फॉस्फाइड नामक जहरीला रसायन मंगाकर लगभग 30 हजार जहरीले कैप्सूल तैयार किए थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी इन कैप्सूलों को दर्द निवारक दवा बताकर मुहर्रम के जुलूस में शामिल लोगों के बीच बांटने की योजना बना रहा था। यदि यह साजिश सफल हो जाती तो हजारों लोगों की जान खतरे में पड़ सकती थी।पुलिस के अनुसार आरोपी ने दक्षिण मुंबई के डोंगरी इलाके के एक होटल में कमरा लेकर वहां जहरीले कैप्सूल तैयार किए। जांच में पता चला कि उसने चूहों को मारने में इस्तेमाल होने वाले जिंक फॉस्फाइड का उपयोग किया था, जो अत्यंत विषैला रसायन माना जाता है। अधिकारियों का कहना है कि कुछ संदिग्ध परिस्थितियों में लोगों के बीमार पड़ने की सूचना मिलने के बाद डॉक्टरों और स्थानीय पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझते हुए जांच शुरू की। इसके बाद होटल में छापेमारी कर बड़ी संख्या में तैयार कैप्सूल, रसायन और अन्य सामग्री बरामद की गई।पूछताछ के दौरान आरोपी से उसके संभावित सहयोगियों और पूरे षड्यंत्र के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी किसी संगठन या अन्य व्यक्तियों के संपर्क में था या उसने अकेले इस योजना को अंजाम देने की तैयारी की थी। सुरक्षा एजेंसियों ने मामले को बेहद संवेदनशील मानते हुए जांच का दायरा बढ़ा दिया है। घटना के बाद मुंबई पुलिस ने मुहर्रम के जुलूसों और अन्य धार्मिक आयोजनों की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है तथा सीसीटीवी और खुफिया निगरानी भी बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति से दवा, खाद्य पदार्थ या अन्य वस्तु स्वीकार न करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना दें। पुलिस का कहना है कि समय रहते कार्रवाई होने से एक संभावित बड़ी त्रासदी टल गई और अब पूरे मामले की हर पहलू से जांच जारी है।

## पंजाब में गहराया बिजली संकट

पंजाब में इस समय बिजली संकट लगातार गहराता जा रहा है। गर्मी के मौसम में बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने और धान की रोपाई के दौरान कृषि क्षेत्र में बढ़ती खपत के बीच राज्य सरकार को बाहरी स्रोतों से महंगी दरों पर बिजली खरीदनी पड़ रही है। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों के अनुसार सरकारी ताप विद्युत संयंत्रों की कई उत्पादन इकाइयां बंद होने या कम क्षमता पर चलने के कारण बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ है। इससे राज्य की बिजली व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है।जानकारी के अनुसार राज्य के विभिन्न बिजली संयंत्रों की कई इकाइयां तकनीकी खराबी, रखरखाव कार्य या पुराने उपकरणों के कारण उत्पादन नहीं कर पा रही हैं। परिणामस्वरूप पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड को बिजली एक्सचेंज से ऊंची कीमतों पर बिजली खरीदनी पड़ रही है। कई मौकों पर बिजली की खरीद दर 10 रुपये प्रति यूनिट तक पहुंचने की जानकारी सामने आई है, जिससे सरकारी खर्च में भारी वृद्धि हुई है। बिजली संकट का असर किसानों, उद्योगों और आम उपभोक्ताओं पर भी दिखाई देने लगा है। कई इलाकों में बिजली कटौती की शिकायतें सामने आई हैं, जबकि उद्योग जगत ने उत्पादन प्रभावित होने की आशंका जताई है।

## रूस-यूक्रेन युद्ध में बढ़ा दबाव, ड्रोन हमलों से ऊर्जा ढांचे पर असर

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध लगातार नए मोड़ ले रहा है। हाल के महीनों में यूक्रेन ने लंबी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन हमलों के जरिए रूस के कई सैन्य और ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। इन हमलों के कारण रूस के कुछ तेल भंडारण केंद्रों, रिफाइनरियों और ऊर्जा सुविधाओं को नुकसान पहुंचने की खबरें सामने आई हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यूक्रेन का उद्देश्य रूस की सैन्य आपूर्ति श्रृंखला और ऊर्जा अवसंरचना पर दबाव बढ़ाना है, ताकि युद्ध के दौरान उसकी परिचालन क्षमता प्रभावित हो।रूसी अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि कुछ ऊर्जा प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा है और कई क्षेत्रों में ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई है। हालांकि रूस का कहना है कि मरम्मत कार्य तेजी से किया जा रहा है और आवश्यक आपूर्ति बनाए रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई हैं। वहीं यूक्रेन का दावा है कि उसके हमले केवल सैन्य और रणनीतिक महत्व के ठिकानों पर केंद्रित हैं।युद्ध के कारण दोनों देशों की अर्थव्यवस्था पर लगातार दबाव बना हुआ है। रूस को ऊर्जा क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि यूक्रेन भी बुनियादी ढांचे, उद्योग और नागरिक सुविधाओं को हुए भारी नुकसान से जूझ रहा है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और युद्ध से जुड़े खर्चों ने रूस की आर्थिक स्थिति पर भी अतिरिक्त दबाव डाला है। दूसरी ओर पश्चिमी देशों से मिल रही सैन्य और आर्थिक सहायता के बावजूद यूक्रेन के सामने पुनर्निर्माण और सुरक्षा की बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं।युद्ध का प्रभाव वैश्विक स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। ऊर्जा बाजार, खाद्यान्न आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर इसका असर लगातार महसूस किया जा रहा है। कई देशों ने दोनों पक्षों से बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने की अपील दोहराई है, लेकिन फिलहाल संघर्ष समाप्त होने के कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिखाई दे रहे हैं।रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ड्रोन तकनीक ने इस युद्ध की रणनीति को पूरी तरह बदल दिया है। कम लागत वाले लेकिन अत्यधिक प्रभावी ड्रोन अब सैन्य अभियानों का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। आने वाले समय में भी दोनों पक्ष इस तकनीक का व्यापक उपयोग कर सकते हैं। ऐसे में युद्ध का स्वरूप और अधिक जटिल होने की आशंका बनी हुई है, जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय शांति स्थापना के प्रयासों को आगे बढ़ाने की जरूरत पर लगातार जोर दे रहा है।

# अमेरिका-ईरान तनाव कम करने की बड़ी पहल

# कतर में होर्मुज जलडमरूमध्य पर होगी अहम बैठक

**इस घटनाक्रम पर दुनिया भर की नजरें टिकी हुई हैं, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी प्रकार का तनाव वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। भारत समेत कई देश इस मार्ग से ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं। इसलिए क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्राथमिकता बना हुआ है।**

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मध्य पूर्व में पिछले कई महीनों से जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच रिश्तों को सामान्य बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले रोकने पर सहमति जताई है और अब होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर कतर में अहम बैठक होने जा रही है। अमेरिकी प्रशासन का दावा है कि यह बैठक क्षेत्र में स्थायी शांति और समुद्री व्यापार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।दरअसल, हाल के दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास लगातार तनाव बढ़ा था। यह क्षेत्र दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल है, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति होती है। इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी दिखाई दिया था। कई अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों ने सुरक्षा कारणों से अपने जहाजों के मार्ग में बदलाव किया था।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने दावा किया है कि दोनों देशों के बीच बातचीत के बाद फिलहाल हमले रोकने पर सहमति बनी है। इसके साथ ही कतर में होने वाली बैठक में होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और भविष्य की शांति प्रक्रिया पर चर्चा की जाएगी। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यदि बातचीत सफल रहती है तो इससे पूरे मध्य पूर्व में तनाव कम हो सकता है।हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच अविश्वास अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। हाल ही में दोनों देशों के बीच सैन्य गतिविधियों और आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी देखने को मिला था। अमेरिका ने ईरान पर संघर्षविराम के उल्लंघन का आरोप लगाया, जबकि ईरान ने अमेरिकी कार्रवाई को उकसावे वाला कदम बताया। ऐसे में कतर वार्ता को दोनों देशों के संबंधों के लिए एक बड़ी परीक्षा माना जा रहा है।इस घटनाक्रम पर दुनिया भर की नजरें टिकी हुई हैं, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी प्रकार का तनाव वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। भारत समेत कई देश इस मार्ग से ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं। इसलिए क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्राथमिकता बना हुआ है।यदि कतर में होने वाली बैठक सकारात्मक परिणाम लेकर आती है, तो यह न केवल अमेरिका और ईरान के संबंधों में सुधार का मार्ग प्रशस्त करेगी, बल्कि पूरे मध्य पूर्व में शांति स्थापित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

## स्काईडाइवर्स के ग्रुप को ले जा रहा यात्री विमान हादसे का शिकार

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

फ्रांस के पूर्वी भाग में आज (रविवार को) एक विमान हादसा हो गया। फ्रांस में Nancy के पास स्थित Tomblaine एरिया में स्काईडाइवर्स को लेकर जा रहा एक विमान हादसे का शिकार हो गया। इस दुर्घटना में करीब 11 लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना की खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड, पुलिस और मेडिकल इमरजेंसी की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस विमान में स्काईडाइविंग के लिए जा रहे लोगों का एक ग्रुप सवार था।फ्रांस के लोकल चैनल France 3 Grand Est के अनुसार, दुर्घटना के बाद विमान में धमाका होने का भी खतरा था, जिसके मद्देनजर पूरे इलाके को सुरक्षा के घेरे में ले लिया गया था। वहीं, लोकल अखबार L'Est Republicain का कहना है कि विमान ने स्काईडाइवर्स को लेकर उड़ान भरी थी। फ्रांस की पुलिस ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे Salvador Allende Street और आसपास के एरिया में फिलहाल न जाएं, ताकि रेस्क्यू और जांच एजेंसियों के काम में कोई खलल ना पड़े। फिलहाल, विमान हादसे का कारण साफ नहीं हो सका है। अफसरों ने मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस और इमरजेंसी मेडिकल सर्विस के अधिकारी जल्द ही इस विमान हादसे को लेकर डिटेल शेयर कर सकते हैं। प्रशासन के अनुसार, दुर्घटना के कारणों को मालूम करने के लिए जांच एजेंसियां पड़ताल कर रही हैं। प्रारंभिक जांच में मौसम की स्थिति, किसी तकनीकी खराबी और अन्य संभावित वजहों को ध्यान में रखकर सभी प्रकार के पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। अफसरों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही विमान हादसे के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

## सैयद अता हसनैन पबित्रा मार्गेरिटा खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

आपको याद होगा कुछ दिन पहले खबर आई थी कि ईरान ने अपने दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए भारत को निमंत्रण भेजा है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो रहा था कि आखिर भारत की तरफ से कौन शामिल होगा? लेकिन अब जानकारी निकलकर आ रही है कि कौन शामिल होगा, चलिए जानते हैं। ईरानी सूत्रों के मुताबिक, भारत सरकार की तरफ से बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। दोनों नेता भारत सरकार का आधिकारिक प्रतिनिधित्व करेंगे। हालांकि, इस संबंध में भारत सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का निमंत्रण भेजा था। यह निमंत्रण नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के जरिए विदेश मंत्रालय को भेजा गया था।

हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी पहले से तय अपने बहु-देशीय विदेश दौरे की वजह से इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाएंगे। ऐसे में भारत सरकार की ओर से प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की औपचारिक शुरुआत 4 जुलाई को तेहरान में होगी। इसके बाद 9 जुलाई को उनके गृह नगर मशहद में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। अंतिम संस्कार का कार्यक्रम पहले मार्च में प्रस्तावित था लेकिन उस समय क्षेत्र में जारी संघर्ष के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

## दुनिया की तेल सप्लाई वाली लाइफलाइन पर ईरान का बड़ा दांव

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में हालिया संघर्ष के बाद होर्मुज जलमार्ग को लेकर ईरान और ओमान के बीच पहली उच्चस्तरीय बैठक हुई है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने सोमवार को जानकारी दी कि मस्कट की यात्रा के दौरान दोनों देशों की संयुक्त होर्मुज समिति की पहली बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जलमार्ग से जुड़े मौजूदा हालात की समीक्षा की गई और इसके भविष्य के प्रबंधन को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर लागू होने के बाद तनाव कम करने के लिए तकनीकी स्तर की बातचीत आगे बढ़ाने की तैयारी चल रही है। हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच हुए सैन्य हमलों ने सीजफायर समझौते की नाजुक स्थिति को भी उजागर किया है। होर्मुज जलमार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक मार्गों में से एक है। संघर्ष शुरू होने से पहले वैश्विक कच्चे तेल और एलएनजी का करीब पांचवां हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता था। इस जलमार्ग की सीमाएं ईरान और ओमान से लगती हैं इसलिए इसका संचालन और सुरक्षा दोनों देशों के लिए रणनीतिक महत्व रखते हैं। संघर्ष के दौरान ईरान ने अपने विरोधियों पर दबाव बनाने के लिए इस जलमार्ग पर नियंत्रण कड़ा कर दिया था। यही मुद्दा अब अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत का भी एक अहम हिस्सा बना हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्ष फिलहाल तनाव कम करने पर सहमत हुए हैं और होर्मुज जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही जारी रहेगी। हालांकि, ईरान की तरफ से इस बयान पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत जल्द फिर शुरू हो सकती है हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। इन घटनाओं के बाद पूरे पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है और वैश्विक ऊर्जा बाजार भी लगातार इस घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं।

## पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर बढ़ा तनाव दोनों देशों के बीच सैन्य गतिविधियां तेज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। सीमा पार हमलों और सुरक्षा चिंताओं को लेकर दोनों देशों के बीच सैन्य गतिविधियां तेज हो गई हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, हाल के दिनों में सीमा क्षेत्र में कई हिंसक घटनाएं हुई हैं, जिसके बाद पाकिस्तान ने अफगान सीमा के पास सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है।पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान की सीमा से सक्रिय आतंकी समूह उसके क्षेत्र में घुसपैठ कर हमले कर रहे हैं। इन घटनाओं के जवाब में पाकिस्तान ने सीमावर्ती इलाकों में जमीनी और हवाई कार्रवाई भी की है। दूसरी ओर, अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि वह अपनी सीमा के भीतर किसी भी आतंकी गतिविधि की अनुमति नहीं देती।दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव का असर सीमा पार व्यापार और लोगों की आवाजाही पर भी पड़ रहा है। कई सीमा चौकियों पर सुरक्षा जांच बढ़ा दी गई है, जिससे व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। स्थानीय नागरिकों में भी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा सुरक्षा लंबे समय से विवाद का विषय रही है। दोनों देशों के बीच कई बार सैन्य तनाव की स्थिति बन चुकी है। हालांकि, कूटनीतिक स्तर पर बातचीत के जरिए स्थिति को सामान्य बनाने के प्रयास भी जारी हैं।अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने दोनों देशों से संयम बरतने और विवादों का समाधान बातचीत के जरिए निकालने की अपील की है। जानकारों का कहना है कि यदि तनाव और बढ़ता है तो इसका असर पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा स्थिति पर पड़ सकता है।

## संपादक की कलम से

**महंगाई और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच संतुलन की चुनौती:**

भारत इस समय एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहां आर्थिक विकास की संभावनाएं और वैश्विक चुनौतियां एक साथ मौजूद हैं। एक ओर देश दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती अनिश्चितताएं सरकार और नीति निर्माताओं के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर रही हैं। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, वैश्विक व्यापार की अनिश्चितता और मानसून को लेकर आशंकाएं ऐसे कारक हैं जो आने वाले महीनों में देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं।हाल ही में वित्त मंत्री द्वारा व्यक्त की गई चिंताएं इस बात का संकेत हैं कि सरकार स्थिति की गंभीरता को समझ रही है। भारत जैसे विकासशील देश के लिए महंगाई केवल आर्थिक विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक स्थिरता से भी जुड़ा हुआ मुद्दा है। जब खाद्य पदार्थों, ईंधन और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं तो इसका सबसे अधिक असर निम्न और मध्यम वर्ग पर पड़ता है। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी केवल आर्थिक आंकड़ों को बेहतर बनाए रखने तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि आम नागरिक के जीवन को भी सहज बनाए रखना आवश्यक हो जाता है।देश की कृषि व्यवस्था अब भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है। यदि वर्षा सामान्य से कम रहती है तो खाद्यान्न उत्पादन प्रभावित हो सकता है, जिसका सीधा असर बाजार कीमतों पर दिखाई देगा। सरकार को अभी से भंडारण, आपूर्ति और वितरण व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में काम करना चाहिए ताकि किसी भी संभावित संकट से समय रहते निपटा जा सके। साथ ही किसानों को तकनीकी सहायता, सिंचाई सुविधाएं और पर्याप्त समर्थन मूल्य उपलब्ध कराना भी जरूरी है।दूसरी ओर, वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता भारत के लिए विशेष चिंता का विषय है। देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है। तेल की कीमतों में वृद्धि केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहती, बल्कि परिवहन, उद्योग और कृषि क्षेत्र के माध्यम से पूरे अर्थतंत्र को प्रभावित करती है। इसलिए ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार पर और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।विपक्ष द्वारा महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को उठाना लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है। हालांकि इन विषयों पर केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से समाधान नहीं निकलेगा। आवश्यकता इस बात की है कि सरकार और विपक्ष दोनों राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर रचनात्मक संवाद करें। संसद का आगामी सत्र इस दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर हो सकता है।भारत ने अतीत में कई आर्थिक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। आज भी देश के पास मजबूत संस्थागत ढांचा, विशाल घरेलू बाजार और युवा जनसंख्या जैसी बड़ी ताकतें मौजूद हैं। आवश्यकता केवल दूरदर्शी नीति, प्रभावी क्रियान्वयन और राजनीतिक इच्छाशक्ति की है। यदि सरकार समय रहते आवश्यक कदम उठाती है और सभी हितधारकों को साथ लेकर चलती है, तो वर्तमान चुनौतियां भी देश की प्रगति को रोक नहीं पाएंगी। बल्कि यही चुनौतियां भारत को अधिक आत्मनिर्भर, मजबूत और स्थिर अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने का अवसर भी बन सकती हैं।

# यूपी मिशन-2027: हारी हुई 129 सीटों को जीतने के लिए भाजपा ने शुरू की बड़ी कवायद

**भाजपा की रणनीति केवल संगठन तक सीमित नहीं है। पार्टी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए लाभार्थी सम्मेलन, जनसंपर्क अभियान और क्षेत्रीय संवाद कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी कर रही है। विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को पार्टी अपने साथ जोड़ने पर जोर दे रही है।**

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में अभी भले ही डेढ़ वर्ष से अधिक का समय शेष हो, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने अभी से अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी नेतृत्व ने वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में जिन 129 सीटों पर हार का सामना किया था, उन सीटों पर विशेष फोकस करने का फैसला किया है। इसके लिए संगठन स्तर पर व्यापक समीक्षा और पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने उन सभी विधानसभा क्षेत्रों का विस्तृत आकलन शुरू किया है, जहां उसे पिछली बार पराजय का सामना करना पड़ा था। प्रत्येक सीट पर हार के कारणों का अलग-अलग अध्ययन किया जा रहा है। इसमें स्थानीय असंतोष, जातीय समीकरण, बूथ प्रबंधन, संगठन की सक्रियता और उम्मीदवार चयन जैसे बिंदुओं को प्रमुखता से शामिल किया गया है। पार्टी का मानना है कि इन सीटों पर सुधार कर वह 2027 में और अधिक मजबूती के साथ सत्ता में वापसी कर सकती है।पार्टी नेतृत्व ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया है। इसके तहत बूथ समितियों को सक्रिय करने, निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को फिर से जोड़ने और नए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देने की योजना तैयार की जा रही है। इसके अलावा, प्रदेश संगठन में भी बड़े बदलाव की संभावना जताई जा रही है। माना जा रहा है कि जुलाई के मध्य तक नई प्रदेश टीम की घोषणा की जा सकती है, जबकि कई जिलों में संगठनात्मक फेरबदल भी देखने को मिल सकता है।भाजपा की रणनीति केवल संगठन तक सीमित नहीं है। पार्टी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए लाभार्थी सम्मेलन, जनसंपर्क अभियान और क्षेत्रीय संवाद कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी कर रही है। विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को पार्टी अपने साथ जोड़ने पर जोर दे रही है। इसके लिए डिजिटल और जमीनी दोनों स्तरों पर अभियान चलाने की योजना बनाई गई है।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि उत्तर प्रदेश देश की राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण राज्य है और यहां का चुनाव राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में बड़ी भूमिका निभाता है। ऐसे में भाजपा किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतना चाहती। दूसरी ओर, विपक्षी दल भी अपने संगठन को मजबूत करने में जुटे हुए हैं, जिससे आगामी चुनावी मुकाबला काफी दिलचस्प होने की संभावना है।भाजपा की शुरुआती तैयारियां यह संकेत देती हैं कि पार्टी 2027 के चुनाव को केवल एक राज्य चुनाव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण मान रही है। आने वाले महीनों में संगठनात्मक बदलाव और जमीनी सक्रियता प्रदेश की राजनीति को नई दिशा दे सकती है।

# बागी सांसदों के गढ़ में पहुंचेंगे उद्धव ठाकरे, संगठन को फिर से खड़ा करने की तैयारी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना के भीतर जारी सियासी संघर्ष एक बार फिर तेज हो गया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हुए छह बागी सांसदों के संसदीय क्षेत्रों का दौरा करने का फैसला किया है। 26 से 29 जून तक चलने वाले इस दौरे को पार्टी के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह दौरा केवल संगठनात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि आगामी स्थानीय निकाय और विधानसभा चुनावों की तैयारी का भी हिस्सा है।पार्टी सूत्रों के अनुसार, उद्धव ठाकरे विदर्भ, मराठवाड़ा और उत्तर महाराष्ट्र के उन इलाकों में जाएंगे, जहां हाल के दिनों में शिवसेना के कई सांसद शिंदे गुट में शामिल हो गए थे। इस दौरान वे पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और स्थानीय नेताओं से मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि ठाकरे का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाना और संगठन को फिर से मजबूत करना है।उद्धव ठाकरे लगातार यह दावा करते रहे हैं कि शिवसेना की मूल विचारधारा और बालासाहेब ठाकरे की विरासत उनके साथ है। अपने हालिया बयानों में उन्होंने बागी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन नेताओं को पार्टी ने पहचान और राजनीतिक मंच दिया, उन्होंने व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए जनादेश से समझौता किया। ठाकरे ने यह भी कहा कि जनता आगामी चुनावों में ऐसे नेताओं को जवाब देगी।दौरे के दौरान उद्धव ठाकरे कई जनसभाओं और बैठकों को संबोधित करेंगे। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित कर संगठन में नई ऊर्जा का संचार किया जा सकता है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता इसे पार्टी को जमीनी स्तर पर फिर से खड़ा करने की बड़ी कवायद मान रहे हैं।दूसरी ओर, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट दावा कर रहा है कि उसे राज्य में व्यापक जनसमर्थन प्राप्त है। शिंदे गुट के नेताओं का कहना है कि बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उनके साथ जुड़े हुए हैं और जनता भी उनके फैसलों का समर्थन कर रही है। ऐसे में दोनों गुटों के बीच राजनीतिक मुकाबला और तेज होता दिखाई दे रहा है।

# बांकीपुर उपचुनाव में उतर सकते हैं प्रशांत किशोर बोले- यह बिहार सरकार की पहली बड़ी परीक्षा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

बिहार की राजनीति में एक बार फिर चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने संकेत दिए हैं कि वह पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में चुनावी मैदान में उतर सकते हैं। उनके इस ऐलान के बाद राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ गई है और बांकीपुर सीट अब प्रदेश की सबसे चर्चित सीटों में शामिल हो गई है।प्रशांत किशोर ने कहा है कि यदि उनकी पार्टी सहमति देती है, तो वह बांकीपुर से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने इस उपचुनाव को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार की पहली बड़ी राजनीतिक परीक्षा करार दिया। किशोर का कहना है कि यह केवल एक विधानसभा सीट का चुनाव नहीं, बल्कि राज्य सरकार के कामकाज पर जनता की राय जानने का अवसर भी होगा।बांकीपुर सीट लंबे समय से भाजपा का मजबूत गढ़ मानी जाती रही है। ऐसे में यदि प्रशांत किशोर स्वयं यहां से चुनाव लड़ते हैं तो मुकाबला बेहद दिलचस्प हो सकता है। जन सुराज का दावा है कि राज्य की जनता पारंपरिक राजनीति से अलग एक नया विकल्प चाहती है और इसी आधार पर पार्टी चुनावी रणनीति तैयार कर रही है।दूसरी ओर, भाजपा और एनडीए नेताओं का कहना है कि राज्य सरकार विकास के मुद्दे पर जनता के बीच जाएगी और विपक्ष के आरोपों का जवाब जनता स्वयं देगी। सत्तापक्ष का दावा है कि सरकार ने कम समय में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं, जिनका लाभ आगामी चुनावों में मिलेगा।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि प्रशांत किशोर बांकीपुर से चुनाव लड़ते हैं, तो यह उपचुनाव पूरे बिहार की राजनीति का केंद्र बन सकता है। इससे न केवल जन सुराज की राजनीतिक ताकत का आकलन होगा, बल्कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व की भी परीक्षा मानी जाएगी। फिलहाल, सभी राजनीतिक दलों की निगाहें इस सीट पर टिकी हुई हैं और आने वाले दिनों में बिहार की सियासत और गर्म होने के संकेत मिल रहे हैं।

# पीएचडी और शोध को बढ़ावा देने के लिए फेलोशिप

# योजनाओं का विस्तार,हजारों शोधार्थियों को मिलेगा लाभ

देश में उच्च शिक्षा और शोध को नई गति देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार तथा विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों ने शोधार्थियों के लिए फेलोशिप और वित्तीय सहायता योजनाओं के विस्तार पर जोर दिया है। शिक्षा मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़ी संस्थाओं द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से हजारों पीएचडी शोधार्थियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसका उद्देश्य प्रतिभाशाली छात्रों को शोध कार्य की ओर आकर्षित करना और भारत को ज्ञान एवं नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में मजबूत बनाना है।वर्तमान समय में जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ), सीनियर रिसर्च फेलोशिप (एसआरएफ), प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप (पीएमआरएफ) और विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों की विशेष योजनाओं के तहत शोधार्थियों को प्रतिमाह 37 हजार रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक की सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त अनुसंधान कार्यों के लिए अलग से अनुदान, प्रयोगशाला सुविधाएं और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध प्रस्तुत करने के अवसर भी दिए जा रहे हैं।शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत में शोध संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बाद विश्वविद्यालयों में अनुसंधान को अधिक महत्व दिया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि भारतीय विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान न रहकर वैश्विक स्तर के शोध केंद्रों के रूप में विकसित हों। इसी दिशा में उद्योग और विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।हालांकि विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि केवल फेलोशिप राशि बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। शोध के लिए बेहतर प्रयोगशालाएं, आधुनिक उपकरण, गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी उतना ही आवश्यक है। कई विश्वविद्यालयों में अब भी संसाधनों की कमी शोध की गुणवत्ता को प्रभावित करती है। ऐसे में सरकार और शैक्षणिक संस्थानों को बुनियादी ढांचे के विकास पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा।छात्र संगठनों ने फेलोशिप योजनाओं के विस्तार का स्वागत किया है, लेकिन समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई है। उनका कहना है कि कई बार शोधार्थियों को महीनों तक भुगतान का इंतजार करना पड़ता है, जिससे आर्थिक कठिनाइयां पैदा होती हैं।विशेषज्ञों के अनुसार यदि शोध और नवाचार को इसी प्रकार प्रोत्साहन मिलता रहा तो आने वाले वर्षों में भारत विज्ञान, तकनीक और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर और मजबूत स्थिति हासिल कर सकता है। इससे न केवल नई खोजों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि देश के आर्थिक और सामाजिक विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

## विश्वविद्यालयों में बहुविषयक शिक्षा को बढ़ावा, छात्रों को मिलेंगे नए अवसर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में देशभर के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में तेजी से काम किया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की पहल पर बहुविषयक शिक्षा, कौशल विकास और शोध आधारित अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य छात्रों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ रोजगारोन्मुख और व्यावहारिक ज्ञान उपलब्ध कराना है।नई शिक्षा नीति के तहत छात्रों को विषय चयन में अधिक स्वतंत्रता देने पर जोर दिया गया है। अब विद्यार्थी विज्ञान, वाणिज्य और कला जैसी पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़कर विभिन्न विषयों का संयोजन चुन सकते हैं। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इससे छात्रों की रचनात्मकता और समस्या समाधान क्षमता में वृद्धि होगी तथा वे बदलती वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकेंगे।देश के कई विश्वविद्यालयों में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम, बहु-प्रवेश और बहु-निकास व्यवस्था तथा अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट जैसी व्यवस्थाओं को लागू किया जा चुका है। इन सुधारों का उद्देश्य छात्रों को अधिक लचीलापन प्रदान करना और उच्च शिक्षा को अधिक समावेशी बनाना है। साथ ही डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन शिक्षण संसाधनों के उपयोग को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।हालांकि कुछ शिक्षाविदों का मानना है कि नई नीति के पूर्ण क्रियान्वयन के लिए राज्यों, विश्वविद्यालयों और शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों के संस्थानों में संसाधनों की उपलब्धता भी एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है।शिक्षा मंत्रालय का दावा है कि नई शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि नीति का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाता है तो आने वाले वर्षों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, शोध क्षमता और रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल सकता है।

# आयरलैंड ने गैरी विल्सन को नया हेड कोच बनाने का ऐलान किया

## भारतीय महिला टीम ने 2028 ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) और इंटरनेशनल ओलंपिक कमिटी (IOC) ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में क्रिकेट की वापसी के लिए क्वालिफिकेशन के नियमों की घोषणा कर दी है। ICC और IOC ने मिलकर यह साफ कर दिया है कि 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक (LA28) में क्रिकेट खेलने के लिए टीमों को कैसे चुना जाएगा। इसके साथ ही, टीमों को एक आखिरी मौका देने के लिए पहली बार एक खास ओलंपिक क्वालिफायर टूर्नामेंट भी कराया जाएगा।2028 में अमेरिका के लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट का असली रोमांच देखने को मिलेगा। इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट के सभी मैच T20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे। दुनिया भर से केवल 6 मेंस और 6 वुमेंस टीमों को ही इस ओलंपिक में खेलने का मौका मिलेगा। सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें एशिया, अफ्रीका, यूरोप और ओशिनिया जैसे अलग-अलग महाद्वीपों की टीमों का होना पक्का है। इसका मतलब है कि दुनिया के हर कोने के क्रिकेट फैंस अपनी पसंदीदा टीमों को ओलंपिक मेडल के लिए आपस में टकराते हुए देख सकेंगे। आपको बता दें कि वुमेंस T20 वर्ल्ड कप 2026 के नतीजों के आधार पर ओलंपिक के लिए पहली 4 महिला टीमों की जगह पक्की हो गई है। इसके नियम के मुताबिक, दुनिया के चार अलग-अलग इलाकों (महाद्वीपों) से सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एक-एक टीम को चुना गया है। इस तरह एशिया से भारत, ओशिनिया से ऑस्ट्रेलिया, यूरोप से इंग्लैंड (ग्रेट ब्रिटेन) और अफ्रीका से साउथ अफ्रीका की टीम ने ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। बाकी टीम का फैसला क्वालीफायर के जरिए होगा।

## 5 साल बाद उनके घर में 2-1 से जीती सीरीज

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला कीवी टीम ने 160 रन से जीत लिया है। इसके साथ ही न्यूजीलैंड ने अंग्रेजों के घर में पांच साल से जीत के सूखे को भी खत्म कर दिया है, उसने सीरीज 2-1 से जीत ली है। नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में न्यूजीलैंड ने तीसरे और आखिरी टेस्ट में 160 रनों से शानदार जीत दर्ज की है। इसके साथ ही कीवी टीम ने सीरीज पर 2-1 से कब्जा कर लिया। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के सामने चौथे दिन जीत के लिए 373 रन का लक्ष्य रखा था, लेकिन मेजबान टीम 212 रन पर ही ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने पांच साल से इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जीत के सूखे को भी खत्म कर दिया। बता दें कि यह पहली बार है, जब न्यूजीलैंड पहला मैच हारने के बाद तीन मैचों की सीरीज जीतने में सफल रही है। वहीं, दूसरी ओर स्टोक्स का दौर न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से जीत के साथ शुरू हुआ था। यह एक बुरे उलटफेर के साथ खत्म हुआ, जब कीवी टीम ने 2-1 से जीत के साथ उनकी फेयरवेल पार्टी को फीका कर दिया की। यह 2012 के बाद पहली बार है, जब इंग्लैंड अपने घर में हारा (तीन या उससे ज्यादा मैचों की सीरीज में) है। टॉम लैथम ने कप्तान बनने के बाद से अब तक छह में से ये पांचवीं सीरीज जीती हैं।

## ताज़मिन ब्रिट्स के तूफानी शतक से नीदरलैंड को 88 रन से हराया

महिला टी-20 विश्व कप में सेमीफाइनल की दौड़ लगातार रोमांचक होती जा रही हैं। भारत की टीम ने बांग्लादेश को हराकर ग्रुप ए में दूसरा स्थान मजबूत किया था, लेकिन कुछ ही घंटों बाद दक्षिण अफ्रीका ने भी शानदार जीत दर्ज कर मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया हैं। दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड को 88 रन के बड़े अंतर से हराकर अंक तालिका में भारत के बराबर अंक हासिल कर लिए हैं। हालांकि बेहतर नेट रन रेट के कारण भारतीय टीम अभी भी दूसरे स्थान पर बनी हुई है। इस मुकाबले की सबसे बड़ी स्टार ताज़मिन ब्रिट्स रहीं, जिन्होंने अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक लगाया। उन्होंने नाबाद 114 रन की शानदार पारी खेली और टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाने में सबसे अहम भूमिका निभाई हैं। बता दें कि उनकी इस पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवर में केवल एक विकेट खोकर 208 रन बनाए, जो इस विश्व कप के बड़े स्कोरों में शामिल है। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वाइर्ट ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उनका यह निर्णय पूरी तरह सफल साबित हुआ। लॉरा वोल्वाइर्ट और ताज़मिन ब्रिट्स ने पहले विकेट के लिए 121 रन की मजबूत साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की और पावरप्ले के अंदर ही टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचा दिया। मौजूद जानकारी के अनुसार, ब्रिट्स ने केवल 35 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और इसके बाद भी रन बनाने की गति कम नहीं होने दी। लॉरा वोल्वाइर्ट ने 36 गेंदों में 45 रन की उपयोगी पारी खेली। उन्हें हन्ना लैंडहीर ने आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। हालांकि इसके बाद भी दक्षिण अफ्रीका की रन गति पर कोई असर नहीं पड़ा। तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करने उतरी एनेरी डर्कसन ने केवल 16 गेंदों में 37 रन की तेज पारी खेली और अंतिम ओवरों में तेजी से रन जोड़ते हुए टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचा दिया।

### सिर टकराने से मौके पर ही मौत

# स्विमिंग पूल में डाइव लगाना पड़ा भारी

दोस्तों के साथ घूमने निकले 25 साल के एक युवक ने शायद कभी नहीं सोचा होगा कि छुट्टियों की मस्ती उसकी जिंदगी की आखिरी दिन बन जाएगा. महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के मालवण में एक रिसॉर्ट के स्विमिंग पूल में हुई छोटी-सी लापरवाही ने उसकी जान ले ली. युवक ने बच्चों के लिए बने कम गहरे पूल में ऊंचाई से छलांग लगाई और सिर पूल के तल से टकराने के वजह से मौके पर ही उसकी मौत हो गई. यह हादसा मालवण के वायरी स्थित मालवणी पाहुणचार रिसॉर्ट में हुआ. मृतक की पहचान 25 वर्षीय श्रेणीक मिलिंद टाकळे के रूप में हुई है. वह कोल्हापुर जिले

के कागल तहसील के इस्लामपुर का रहने वाला था और अपने 10 दोस्तों के साथ मालवण घूमने आया था. ये घटना 20 जून की है, जिसका वीडियो अब वायरल हो रहा है.

### दिल तोड़ेगा प्रोफेशनल!

# अब ब्रेकअप भी हुआ आउटसोर्स

किसी रिश्ते को शुरू करना आसान हो सकता है, लेकिन उसे खत्म करना अक्सर सबसे मुश्किल काम होता है. कई लोग सीधे बात करने की बजाय अचानक फोन उठाना बंद कर देते हैं, मैसेज का जवाब नहीं देते और बिना कुछ बताए रिश्ता खत्म कर देते हैं.

इसे आज की भाषा में 'घोस्टिंग' कहा जाता है. अब इसी समस्या से निपटने के लिए डेटिंग प्लेटफॉर्म Dating.com ने एक अनोखी नौकरी निकाली है, जिसने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है. कंपनी Chief Breakup Officer (CBO) की भर्ती कर रही है. इस पद पर चुने गए व्यक्ति का काम होगा उन लोगों की ओर से उनके पार्टनर को यह बताना कि

रिश्ता अब खत्म हो चुका है.यानी अगर कोई व्यक्ति खुद ब्रेकअप की बात नहीं कर पा रहा है, तो Chief Breakup Officer उसकी ओर से यह मुश्किल बातचीत करेगा. कंपनी के मुताबिक, इस नौकरी में सिर्फ 'ब्रेकअप' बोलना ही काफी नहीं होगा.चुने गए व्यक्ति को सामने वाले से सम्मानजनक और संवेदनशील तरीके से बात करनी होगी. साथ ही यह भी तय करना होगा कि मामला सामान्य था, थोड़ा उलझा हुआ था या पूरी तरह खराब स्थिति में पहुंच चुका था.

### अमेरिकी राष्ट्रपति ने AI तस्वीर शेयर की

# 'एटलस' बने ट्रंप, फिर छिड़ी बहस

**ट्रंप ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक AI-जनरेटेड तस्वीर शेयर की. तस्वीर में वह ग्रीक पौराणिक पात्र 'एटलस' की तरह पूरी धरती को अपने कंधों पर उठाए नजर आ रहे हैं. तस्वीर सामने आते ही सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई.**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपनी AI तस्वीर को लेकर चर्चा में हैं. इस बार उन्होंने ट्रुथ सोशल पर ऐसी तस्वीर शेयर की, जिसमें वह ग्रीक पौराणिक पात्र एटलस (Atlas) की तरह एक घुटने पर बैठे हैं और पूरी धरती को अपने कंधों पर उठाए हुए दिखाई दे रहे हैं. उनके शरीर पर अमेरिकी झंडा भी लिपटा हुआ है. ट्रंप ने तस्वीर के साथ कोई कैप्शन नहीं लिखा. ऐसे में सोशल मीडिया पर लोग इसके अलग-अलग मायने निकाल रहे हैं. ग्रीक पौराणिक कथाओं के मुताबिक, एटलस एक शक्तिशाली टाइटन था. देवताओं के खिलाफ युद्ध हारने के बाद उसे सजा मिली कि वह हमेशा के लिए आसमान या दुनिया का भार अपने कंधों पर उठाए रखेगा. इसलिए आज भी किसी बड़े बोझ या भारी जिम्मेदारी के प्रतीक के रूप में एटलस का जिक्र किया जाता है. ट्रंप ने इस तस्वीर का मतलब नहीं बताया है. हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों और सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं के आधार पर इसके कई संभावित अर्थ निकाले जा रहे हैं. तस्वीर में ट्रंप खुद को ऐसे नेता के रूप में पेश करते दिखाई देते हैं, जो पूरी दुनिया का भार संभाल सकता है. इसे उनके समर्थक मजबूत नेतृत्व के प्रतीक के रूप में देख रहे हैं. एटलस सिर्फ ताकत नहीं, बल्कि भारी जिम्मेदारी का भी प्रतीक है. कई लोगों का मानना है कि ट्रंप इस तस्वीर के जरिए यह संदेश देना चाहते हैं कि दुनिया के बड़े संकटों से निपटने की जिम्मेदारी वह उठाने में सक्षम हैं.

#### पहले भी शेयर कर चुके हैं ऐसी तस्वीरें

**यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने AI-जनरेटेड या डिजिटल रूप से तैयार तस्वीर शेयर की हो. इससे पहले भी वह कई ऐसी तस्वीरें साझा कर चुके हैं, जिनमें खुद को असाधारण या ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के साथ जोड़ा गया था. फिलहाल ट्रंप या व्हाइट हाउस की ओर से यह नहीं बताया गया है कि एटलस वाली AI तस्वीर शेयर करने के पीछे उनकी आधिकारिक मंशा क्या थी.**

## 'सॉरी दीदी' बोलकर लड़कियों को मारता था ठक्कर, अब अरेस्ट

सोशल मीडिया पर व्यूज और फॉलोअर्स की होड़ अब खतरनाक होती जा रही है. वायरल होने और ज्यादा कमाई के लिए कुछ लोग ऐसी हरकतें कर रहे हैं, जो सीधे कानून की सीमा लांघ रही हैं. दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे यूट्यूबर को गिरफ्तार किया है, जिस पर महिलाओं और नाबालिग लड़कियों को सड़क पर जानबूझकर निशाना बनाने का आरोप है. पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान 32 वर्षीय गुरमन सिंह के रूप में हुई है.

### सैफ ने खोला राज

# 'हैवान' में नेगेटिव रोल करेंगे अक्षय

'भूत बंगला' की तगड़ी सक्सेस के बाद डायरेक्टर प्रियदर्शन की अगली फिल्म हैवान रिलीज के लिए रेडी है. शनिवार को एक अनाउंसमेंट में रिवील किया गया कि हैवान 11 सितंबर को थिएटर्स में पहुंचेगी. खास बात यह है कि इस फिल्म से बॉलीवुड की एक बहुत पॉपुलर हीरोज की जोड़ी कमबैक करने जा रही है— सैफ अली खान और अक्षय कुमार. 1994 से 7 फिल्में साथ कर चुके सैफ और अक्षय ने 18 साल पहले आई टशन (2008) के बाद से साथ में काम नहीं किया है. लेकिन 'मैं खिलाड़ी

तू अनाड़ी' की इस आइकॉनिक जोड़ी का साथ आना फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ाने वाली खबर है. हालांकि इस बार दोनों अपनी मशहूर कॉमिक केमिस्ट्री नहीं, बल्कि एक बिल्कुल अलग और गंभीर अंदाज में नजर आएंगे. सैफ अली खान ने वैरायटी इंडिया से अक्षय कुमार के साथ दोबारा काम करने के अनुभव पर खुलकर बात की. उन्होंने बताया कि ये दिल्लगी, मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी और तू चोर मैं सिपाही जैसी फिल्मों से उनकी नई फिल्म पूरी तरह अलग है. सैफ ने कहा, 'हम बहुत लकी हैं कि अक्षय इस फिल्म में यह रोल कर रहे हैं. इससे फिल्म और भी थ्रिलिंग हो गई है, क्योंकि वह एक खतरनाक और नेगेटिव रोल में हैं. मैंने उन्हें इस तरह के किरदार में बहुत कम देखा है. इसलिए मैं उन्हें इस अंदाज में देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं.' सैफ ने अक्षय कुमार के साथ अपनी दशकों पुरानी दोस्ती को याद करते हुए कहा कि उनके बीच हमेशा एक खास रिश्ता रहा है. उन्होंने कहा, 'मैं अक्षय से बहुत प्यार करता हूं.

# लखनऊ में बिजली संकट पर बढ़ा बवाल

# विभाग ने PAC तैनाती की मांग की

**लखनऊ में लगातार बिजली कटौती और फॉल्ट से नाराज लोगों ने अंबेडकर उपकेंद्र पर कर्मचारियों से मारपीट कर सड़क जाम कर दिया। बढ़ती घटनाओं से चिंतित बिजली विभाग ने कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए डीजीपी से पावर हाउसों पर PAC तैनात करने की मांग की है।**

राजधानी में लगातार हो रही बिजली कटौती और बार-बार आ रहे फॉल्ट से उपभोक्ताओं का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। कई इलाकों में पिछले कई दिनों से बाधित बिजली आपूर्ति के कारण लोगों का गुस्सा अब बिजली विभाग के कर्मचारियों पर उतरने लगा है। हालात ऐसे हो गए हैं कि बिजली विभाग के अधिकारियों ने पावर हाउसों की सुरक्षा के लिए पुलिस महानिदेशक (DGP) से प्रांतीय सशस्त्र बल (PAC) तैनात करने की मांग की है। बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व रात के समय नशे की हालत में उपकेंद्रों पर पहुंचकर कर्मचारियों के साथ अभद्रता और मारपीट करते हैं। इससे कर्मचारियों में भय का माहौल है और बिजली व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने में भी दिक्कतें आ रही हैं। उधर, उतरठिया क्षेत्र में पिछले पांच दिनों से लगातार बिजली कटौती और तकनीकी खराबियों के कारण उपभोक्ता भारी परेशानी झेल रहे हैं। रविवार को फॉल्ट के चलते सुबह से लेकर देर रात तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। बीच-बीच में जब बिजली आई तो हाई वोल्टेज की समस्या के कारण कई घरों में टीवी, फ्रिज, पंखे और अन्य विद्युत उपकरण खराब हो गए। इससे लोगों का गुस्सा और बढ़ गया।रविवार रात नाराज उपभोक्ता अंबेडकर उपकेंद्र पहुंच गए। आरोप है कि वहां मौजूद ड्यूटी ऑपरेटर दिनेश कुमार समेत छह कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई। स्थिति बिगड़ने पर कर्मचारियों ने किसी तरह मौके से भागकर अपनी जान बचाई। इसके बाद प्रदर्शनकारी उतरठिया स्थित रायबरेली राजमार्ग पर पहुंच गए और सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन जब लोग नहीं माने तो पुलिस ने उन्हें हटाकर यातायात बहाल कराया। प्रदर्शन कर रहे उपभोक्ताओं ने बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना था कि लगातार शिकायत करने के बावजूद न तो समय पर फॉल्ट ठीक किए जाते हैं और न ही अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा फोन उठाया जाता है। लोगों का कहना है कि दिनभर काम करने के बाद रात में भी बिजली न मिलने से सामान्य जीवन पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। एसडीओ अनिल कुमार ने बताया कि पिछले कई दिनों से कुछ अराजकतत्व रात के समय उपकेंद्रों पर पहुंचकर कर्मचारियों के साथ मारपीट कर रहे हैं। इतना ही नहीं, वे उन क्षेत्रों की बिजली भी जबरन बंद कराने का दबाव बनाते हैं, जहां आपूर्ति सामान्य रूप से चल रही होती है। अमौसी जोन के मुख्य अभियंता राम कुमार ने सोमवार को डीसीपी को पत्र भेजकर अंबेडकर और उतरठिया उपकेंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि पिछले पांच दिनों से लगातार उपद्रवी तत्व नशे की हालत में उपकेंद्रों पर पहुंचकर कर्मचारियों के कार्य में बाधा डाल रहे हैं। ऐसे में दोनों उपकेंद्रों पर PAC बल तैनात किया जाना आवश्यक है।

## लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर बेकाबू बोलेरो डिवाइडर से टकराकर पलटी

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर सोमवार, 29 जून को एक तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। इस हादसे में वाहन में सवार एक ही परिवार के तीन सदस्य मामूली रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचा और घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। यह दुर्घटना लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर संख्या 297.300 के पास हुई। पुलिस के अनुसार, बोलेरो (वाहन संख्या PB 10 KG 3252) अमन पुत्र नरेंद्र पाल सिंह चला रहे थे। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यात्रा के दौरान चालक को नींद की झपकी आ गई, जिसके कारण वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गया। हादसे में चालक अमन के साथ उनके पिता नरेंद्र पाल सिंह पुत्र उजागर और माता जसविंदर कौर पत्नी नरेंद्र पाल सिंह, जो पंजाब के निवासी हैं, मामूली रूप से घायल हुए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को वाहन से बाहर निकाला। तीनों को उपचार के लिए लोकबंधु अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों ने बताया कि सभी की हालत खतरे से बाहर है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो को सड़क से हटाकर टोल प्लाजा पर सुरक्षित खड़ा करवा दिया, जिससे एक्सप्रेसवे पर यातायात सामान्य बना रहा। घटना स्थल पर कुछ समय के लिए भीड़ जमा हुई, जिसे पुलिस ने तुरंत नियंत्रित कर लिया।

## लखनऊ में बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा पर जमकर हंगामा, एफडी फर्जीवाड़े के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ के मोहान रोड स्थित शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय परिसर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में सोमवार को खाताधारकों ने फिर से हंगामा कर दिया। एफडी के नाम पर किए गए फर्जीवाड़े के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। करीब ढाई घंटे तक बैंक का शटर गिराकर प्रदर्शन किया। इस दौरान 5 महिलाएं बेहोश हो गईं। प्रदर्शनकारी खाताधारकों का आरोप था कि बैंक प्रबंधन ने एक सप्ताह में भुगतान का आश्वासन दिया था। समय बीत जाने के बाद भी अधिकांश लोगों को उनकी जमा राशि नहीं मिली है। इसी के विरोध में लोगों ने बैंक के बाहर धरना दिया। प्रदर्शन के दौरान भीड़ और गर्मी की वजह से 5 महिला खाताधारकों की तबीयत बिगड़ गई और वे बेहोश हो गईं। इनमें जानकी, गुड़िया, जयश्री, रुचि गौतम, रामादेवी और सुषमा शामिल थीं। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें पानी की छींटें मारीं, तब उन्हें होश हाया।। घटना की सूचना मिलते ही बैंक शाखा प्रबंधक और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, जबकि बैंक मैनेजर ने भुगतान प्रक्रिया में तेजी लाने का आश्वासन दिया। करीब ढाई घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद बैंक मैनेजर के आश्वासन और पुलिस के हस्तक्षेप पर खाताधारकों ने बैंक का ताला खोल दिया। इसके बाद बैंक का नियमित कार्य शुरू हो सका। गौरतलब है कि कथित एफडी घोटाले में बैंक मित्र शिवा राव और उसके सहयोगी दीपक पर अधिक ब्याज का लालच देकर लोगों से लाखों रुपए जमा कराए थे। मामले में दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। खाताधारकों ने 22 जून को रुपए वापसी के आश्वासन की डेडलाइन खत्म होने के बाद फिर से प्रदर्शन शुरू किया है। 22 जून से हर कार्य दिवस पर पहुंचकर बैंक में प्रदर्शन कर रहे हैं। चेतावनी दी है कि यदि जल्द उनकी जमा पूंजी वापस नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

## लखनऊ में ब्लिंकिट स्टोर पर ग्राहक और भाई से मारपीट, शिकायत करने पहुंचे थे दोनों

लखनऊ के चिनहट इलाके में ब्लिंकिट स्टोर पर ग्राहक और उसके भाई को डिलीवरी बॉय और उसके साथियों ने गिराकर पीटा। वे दोनों स्टोर पर यह शिकायत करने गए थे कि उनका सामान बिना पहुंचे ही डिलीवर्ड दिखा रहा है। शिकायत पर स्टोर मैनेजर ने संबंधित डिलीवरी बॉय की ID ब्लॉक कर दी। इसी से गुस्साए डिलीवरी बॉय ने अपने अन्य कई साथियों को बुला लिया। सबने मिलकर ग्राहक और उसके भाई को खूब पीटा। बाद में जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ग्राहक की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज जांच शुरू कर दी है। हरिनगर कॉलोनी, सेमरा निवासी चंद्रशेखर मौर्य के मुताबिक, उन्होंने 28 जून की रात करीब 8:45 बजे ब्लिंकिट से सामान मंगाया था। आरोप है कि डिलीवरी एजेंट ने बिना सामान पहुंचाए ही ऑर्डर को डिलीवर मार्क कर दिया। कस्टमर केयर से शिकायत का समाधान नहीं होने पर वह अपने भाई के साथ नजदीकी ब्लिंकिट स्टोर पहुंचे। पीड़ित का कहना है कि स्टोर मैनेजर ने जांच के बाद संबंधित डिलीवरी एजेंट की आईडी ब्लॉक कर दी। इससे नाराज डिलीवरी पार्टनर दीपक राजपूत और सुनील ने करीब 10 अन्य लोगों को बुला लिया। आरोप है कि सभी ने मिलकर दोनों भाइयों के साथ मारपीट की। दोनों किसी तरह जान बचाकर वहां से भागे।

## प्रदेश में मानसून की दस्तक

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। प्रदेश में मानसून की दस्तक अब बेहद करीब पहुंच गई है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार से बुधवार के बीच किसी भी समय दक्षिण-पश्चिम मानसून उत्तर प्रदेश में पूरी तरह सक्रिय हो सकता है। इसके साथ ही प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश, तेज हवाओं और वज्रपात को लेकर चेतावनी जारी की गई है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जून के अंतिम दिनों से लेकर जुलाई के पहले सप्ताह तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। रविवार और सोमवार के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश और तराई क्षेत्र के कई जिलों में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई। इस बारिश ने जहां किसानों के चेहरे पर मुस्कान ला दी, वहीं लंबे समय से भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को भी बड़ी राहत मिली है। सबसे अधिक बारिश बहराइच जिले में दर्ज की गई, जहां 104 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा श्रावस्ती में 80 मिलीमीटर बारिश हुई। कई अन्य जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया।

## लखनऊ में दो जगह आग का कहर, होम स्टे से तीन युवक सुरक्षित निकाले गए

लखनऊ में सोमवार को 2 इलाकों में अलग-अलग बिल्डिंग में आग लग गई। पहली घटना सुबह 8 चिनहट के नंदी विहार में हुई। यहां AQS नाम की बिल्डिंग के पांचवें फ्लोर में आग लग गई। बिल्डिंग में होम स्टे चलता है। घटना के समय पार्टी कर रहे 3 युवक भाग गए और 3 फंसे हुए युवकों को फायर ब्रिगेड ने बचा लिया। दूसरी घटना विकासनगर में दोपहर करीब 12 बजे हुई। इसमें चप्पल की दुकान राख हो गई। चिनहट का होम स्टे संकरी गलियों में है, जिससे बिल्डिंग तक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां नहीं पहुंच सकीं। गोमतीनगर से दो और इंदिरानगर से एक फायर टेंडर मौके पर पहुंचे थे। दमकलकर्मियों ने होज पाइप से बौछार कर करीब 30 मिनट में आग बुझा दी। वहीं, विकासनगर में कुर्सी रोड स्थित महावीर इंटर कॉलेज के सामने फुटवियर की दुकान में लगी आग को बुझाने के लिए 3 फायर स्टेशन से गाड़ियां पहुंच गईं। चिनहट के स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह रेजिडेंशियल है, लेकिन उसका इस्तेमाल कॉमर्शियल गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। आरोप है कि होम स्टे और कमरों को किराये पर देकर पार्टियां कराई जाती थीं। बताया जा रहा है कि होम स्टे तौकीर अहमद सिद्दीकी नामक व्यक्ति का है। आसपास के लोगों का आरोप है कि बिल्डिंग में लंबे समय से संदिग्ध और गलत गतिविधियां संचालित हो रही थीं। इसकी शिकायत कई बार पुलिस और LDA से की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

# फर्जी स्वयं सहायता समूह बनाकर 11 लाख की हेराफेरी

# बीएमएम दीपराज सिंह की नौकरी गई

उन्नाव में स्वयं सहायता समूहों के नाम पर फर्जीवाड़ा कर सरकारी धन हड़पने के आरोप में ब्लॉक मिशन प्रबंधक (बीएमएम) दीपराज सिंह की सेवा समाप्त कर दी गई है। जांच में उन्हें दोषी पाया गया था। इससे पहले जिलाधिकारी घनश्याम मीना के हस्तक्षेप पर उन्हें बैठक के दौरान ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। यह मामला पुरवा ब्लॉक से जुड़ा है। जनसुनवाई पोर्टल पर फर्जी स्वयं सहायता समूह गठित कर सरकारी धन हड़पने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए तत्कालीन जिलाधिकारी ने एक जांच टीम का गठन किया था। इस टीम में उपायुक्त स्वतः रोजगार भानु प्रताप सिंह, जिला मिशन प्रबंधक प्रदीप कुमार, अशोक कुमार और रजीउल हसन शामिल थे। जांच टीम ने पुरवा ब्लॉक क्षेत्र के गांवों में पहुंचकर स्वयं सहायता समूहों से जुड़े अभिलेखों, बैंक स्टेटमेंट और अन्य दस्तावेजों की गहन जांच की। स्थलीय सत्यापन के दौरान यह सामने आया कि ब्लॉक में तैनात बीएमएम दीपराज सिंह ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर फर्जी समूहों का गठन कराया और उनके नाम से बैंक खाते खुलवाए। इसके बाद शासन से जारी बजट को इन खातों में ट्रांसफर कराकर अलग-अलग तारीखों में करीब 11 लाख रुपये निकाल लिए गए। जांच में सरकारी धन के दुरुपयोग और गबन की पुष्टि होने के बाद टीम ने अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी को सौंपी। रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन जिलाधिकारी ने आरोपी कर्मचारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिए थे। इसके बाद बीएमएम समेत चार लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। मुकदमा दर्ज होने के बाद बीएमएम दीपराज सिंह की गिरफ्तारी नहीं हो पा रही थी। एक जून को जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में एक बैठक चल रही थी, जिसमें बीएमएम भी शामिल था। जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी ने तत्काल पुलिस को बुलाकर बैठक स्थल से ही बीएमएम को गिरफ्तार करा दिया। इसके बाद न्यायालय के आदेश पर उसे जेल भेज दिया गया। इधर, जांच में दोषी पाए जाने के बाद उपायुक्त स्वत: रोजगार भानु प्रताप सिंह ने बीएमएम की सेवा समाप्ति के लिए राज्य मिशन निदेशक को संस्तुति पत्र भेजा था। अब राज्य मिशन निदेशक की ओर से सेवा समाप्ति का आदेश जारी कर दिया गया है। रोजगार भानु प्रताप सिंह ने बताया कि बीएमएम की सेवा समाप्ति के लिए राज्य मिशन निदेशक को संस्तुति भेजी गई थी। दो-तीन दिन पहले सेवा समाप्ति का पत्र प्राप्त हुआ है। मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

## छह माह से सफाईकर्मी नहीं, अलीपुर मिचलौला में गंदगी से ग्रामीण परेशान

औरास विकास खंड क्षेत्र के अलीपुर मिचलौला गांव में पिछले छह माह से सफाईकर्मी की नियुक्ति न होने के कारण जगह-जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ है। गांव की नालियां बजबजा रही हैं, जिससे घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है और ग्रामीणों में बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। गांव में कूड़े के ढेर लगे हैं और नालियां चोक हो गई हैं। इस गंदगी के कारण ग्रामीणों में विभिन्न प्रकार की बीमारियां फैल रही हैं, जिनमें बच्चे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। ग्राम प्रधान कौशल्या देवी और प्रधान प्रतिनिधि मंशाराम ने बताया कि उन्होंने ब्लॉक में कई बार सफाईकर्मी की नियुक्ति के लिए लिखित आवेदन किया है। हालांकि, अभी तक कोई भी सफाईकर्मी नियुक्त नहीं किया गया है। सफाईकर्मी की नियुक्ति न होने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। मजबूरी में ग्रामीण अपनी नालियां खुद साफ करने को मजबूर हैं।

## नाविकों का बाढ़ राहत में नाव लगाने से इनकार पिछले साल का भुगतान न मिलने से नाराजगी

उन्नाव में बरसात का मौसम शुरू होते ही संभावित बाढ़ से निपटने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। हालांकि, पिछले वर्ष बाढ़ राहत कार्य में लगाए गए नाविकों का भुगतान अब तक न होने से उनमें भारी नाराजगी है। नाविकों ने चेतावनी दी है कि यदि उनका बकाया भुगतान नहीं किया गया, तो वे इस वर्ष बाढ़ आने पर अपनी नावें राहत कार्य में नहीं लगाएंगे। लगभग 26 नाविकों का कहना है कि पिछले वर्ष प्रशासन के निर्देश पर उन्होंने अपनी नावें उपलब्ध कराई थीं। उन्होंने कई दिनों तक बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद की, जिसमें लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाना और जरूरतमंदों तक खाद्य सामग्री व अन्य आवश्यक सामान पहुंचाना शामिल था। नाविकों मो. कलीम, मो. शकील, तहसीम, आबाद, आजाद और मुन्ना सहित अन्य ने बताया कि बाढ़ के दौरान उन्होंने दिन-रात मेहनत कर लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय अधिकारियों ने जल्द भुगतान का आश्वासन दिया था, लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी उन्हें मेहनताना नहीं मिला है। नावों के रखरखाव, मरम्मत और ईंधन पर होने वाले खर्च के कारण लंबित भुगतान से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। नाविकों ने स्पष्ट किया है कि जब तक पिछले वर्ष का बकाया भुगतान नहीं किया जाता और इस वर्ष के लिए भुगतान की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं बनती, तब तक वे बाढ़ राहत कार्य में अपनी नावें उपलब्ध नहीं कराएंगे। इधर, गंगा का जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए प्रशासन बाढ़ से निपटने की तैयारियों में जुटा है। ऐसे समय में नाविकों की यह नाराजगी राहत और बचाव कार्यों को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से जल्द से जल्द नाविकों की समस्या का समाधान करने की मांग की है। जिससे आपदा की स्थिति में राहत कार्य सुचारू रूप से चल सके। इस मामले में एसडीएम क्षितिज द्विवेदी ने बताया कि अधिकांश नाविकों का भुगतान किया जा चुका है। कुछ नाविकों के बैंक खातों में त्रुटियों के कारण भुगतान रुका हुआ है। संबंधित पत्रावलियां भेजी जा चुकी हैं और जल्द ही शेष नाविकों का भुगतान कर दिया जाएगा।

## उन्नाव में अवैध शराब तस्करी का भंडाफोड़, 142 पेटी अंग्रेजी शराब के साथ चालक गिरफ्तार

उन्नाव में एसटीएफ लखनऊ, आबकारी विभाग और औरास थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक पिकअप वाहन से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। इस दौरान वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। बरामद शराब चंडीगढ़ राज्य में बिक्री के लिए अधिकृत थी, जिसे अवैध रूप से बिहार ले जाया जा रहा था। जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र ने बताया कि रविवार रात करीब 9:30 बजे संयुक्त टीम ने औरास थाना क्षेत्र के टिकरा गांव के बाहर एक पिकअप डाला को जांच के लिए रोका। वाहन चालक की पहचान रंजीत पुत्र सर्वेश, निवासी ग्राम टिकरा वाउ, थाना औरास, जनपद उन्नाव के रूप में हुई। संयुक्त टीम में एसटीएफ विभूति खंड लखनऊ के हेड कांस्टेबल नीरज मिश्रा, विजेंद्रनाथ और अमित यादव, आबकारी निरीक्षक ज्योति अग्रवाल, आबकारी मुख्य आरक्षी राम प्रकाश दीक्षित, अविनाश तिवारी तथा औरास थाना पुलिस के जवान शामिल रहे। तलाशी के दौरान पिकअप वाहन से रॉयल स्टैग ब्रांड की 92 पेटी हाफ बोतल और 50 पेटी फुल बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई। इसमें कुल 2208 हाफ बोतल और 600 फुल बोतल शामिल हैं। आबकारी विभाग के अनुसार, यह शराब केवल चंडीगढ़ राज्य में बिक्री के लिए अधिकृत थी, जिसे अवैध रूप से बिहार भेजा जा रहा था। पूछताछ में आरोपी रंजीत ने बताया कि शराब कन्नौज के औरलिया गांव से लोड की गई थी और उसे बिहार पहुंचाना था। उसने यह भी बताया कि वह गंगा एक्सप्रेसवे मार्ग से जा रहा था और अपने घर टिकरा वाउ मिलने आया था, तभी संयुक्त टीम ने उसे पकड़ लिया। जांच में सामने आया कि इस अवैध कारोबार में टिकरा वाउ गांव निवासी अजय और विपिन पुत्र बाबूलाल भी शामिल हैं। आरोप है कि दोनों चंडीगढ़ से शराब मंगाकर अवैध रूप से उसकी तस्करी करते थे और रंजीत के माध्यम से बिहार भेजते थे। जांच के दौरान पिकअप वाहन पर अंकित नंबर UP 82 WN 6782 फर्जी पाया गया, जबकि वाहन का वास्तविक पंजीकरण नंबर UP 32 WN 6732 है। ई-चालान रिकॉर्ड की जांच में वाहन रंजीत के नाम दर्ज मिला। फिलहाल पुलिस और आबकारी विभाग ने मामले में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि अवैध शराब तस्करी में शामिल अन्य आरोपियों की भी तलाश की जा रही है और उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## उन्नाव में बहू-बेटी सम्मेलन आयोजित

उन्नाव में एसपी के निर्देशन पर सोमवार को थाना बीघापुर क्षेत्र के ग्राम महाई में बहू-बेटी सम्मेलन एवं चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के सम्मान, पारिवारिक सौहार्द और आपसी विश्वास को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी बीघापुर मधुपनाथ मिश्रा, थाना प्रभारी अरविंद कटियार, हल्का प्रभारी मोहित कन्नौजिया और मिशन शक्ति प्रभारी शिव शंकर चौबे उपस्थित रहे। इनके साथ महिला आरक्षी सीमा देवी, आंचल और स्वीटी सहित पूरी मिशन शक्ति टीम भी मौजूद थी। इस सम्मेलन में गांव की सास, बहू, ननद, भाभी, मां, बेटियां और छात्राओं समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को परिवार में प्रेम, सम्मान और आपसी तालमेल बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। वक्ताओं ने जोर दिया कि परिवार की बहू को बेटी के समान सम्मान और स्नेह मिलना चाहिए। बहू और बेटी के बीच किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवार के सभी सदस्यों के बीच बेहतर संबंध और संवाद से ही सुखद वातावरण का निर्माण संभव है। महिलाओं को यह भी समझाया गया कि बहू को अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए सास को मां के समान सम्मान देना चाहिए और परिवार के सभी सदस्यों के साथ मधुर व्यवहार बनाए रखना चाहिए। साथ ही, सास और परिवार के अन्य सदस्यों से बहू को अपनापन और सहयोग देने की अपील की गई।

## राज्यपाल के प्रस्तावित उन्नाव दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा तैयारियां पूरी

उन्नाव में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल के प्रस्तावित आगमन को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार शाम रिजर्व पुलिस लाइन में अधिकारियों और कर्मचारियों को ब्रीफ किया गया, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर दिया गया। राज्यपाल का कार्यक्रम मंगलवार को थाना सोहरामऊ क्षेत्र स्थित आनन्दी मैजिक वर्ल्ड वाटर पार्क में प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम को सकुशल, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से यह ब्रीफिंग आयोजित की गई थी। ब्रीफिंग के दौरान जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने कार्यक्रम में तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों तथा कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी कर्मियों को अपने-अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने को कहा। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था और कार्यक्रम स्थल पर आने-जाने वाले लोगों की सुविधा जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि यातायात सुचारू रहे और किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। जिलाधिकारी और एसएसपी ने कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश एवं निकासी मार्ग, पार्किंग स्थल और वीआईपी मूवमेंट सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि राज्यपाल का कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

# राम मंदिर चंदा मामले पर गरमाई राजनीति

## कांग्रेस नेताओं की नजरबंदी पर सपा का हमला

**सपा नेता आशुतोष वर्मा ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राम मंदिर में रोजाना 15 लाख से 50 लाख रुपए तक का चंदा मिलता है। आशुतोष वर्मा ने कहा कि अब तक कम से कम 1400 करोड़ रुपए की नकदी चोरी हो चुकी है। इसके अलावा मूर्तियां, सोना, चांदी, चांदी की ईंटें और अन्य कीमती वस्तुएं भी चोरी हुई हैं।**

अयोध्या राम मंदिर चंदा एवं चढ़ावा चोरी (Ram Mandir Donation Theft) मामले पर राजनीती जारी है। अयोध्या राम मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल दल को रोके जाने के बाद समाजवादी पार्टी ने नाराजगी जाहिर की है। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष वर्मा ने कहा- एक तरफ भाजपा दावा करती है कि विपक्ष राम मंदिर दर्शन से इनकार कर रहा है। जब वे वास्तव में जाने की कोशिश करते हैं तो उनकी पुलिस उन्हें नजरबंद कर देती है। अयोध्या में राम मंदिर चंदा एवं चढ़ावा चोरी के मामले पर सपा नेता प्रवक्ता आशुतोष वर्मा ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। इसके साथ ही कांग्रेस ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अयोध्या राम मंदिर में दर्शन के लिए जाने वाले कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को रोके जाने के बाद सपा ने नाराजगी जताई है। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष वर्मा ने कहा कि भाजपा एक तरफ विपक्ष पर मंदिर दर्शन से इनकार करने का आरोप लगाती है। जब विपक्ष वहां जाने की कोशिश करता है तो पुलिस उसे नजरबंद कर देती है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि भाजपा विपक्ष और पत्रकारों को मंदिर परिसर में नहीं जाने दे रही है, क्योंकि वहां 22 जनवरी 2024 से संगठित लूट चल रही है। सपा नेता आशुतोष वर्मा ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राम मंदिर में रोजाना 15 लाख से 50 लाख रुपए तक का चंदा मिलता है। आशुतोष वर्मा ने कहा कि अब तक कम से कम 1400 करोड़ रुपए की नकदी चोरी हो चुकी है। इसके अलावा मूर्तियां, सोना, चांदी, चांदी की ईंटें और अन्य कीमती वस्तुएं भी चोरी हुई हैं। इन वस्तुओं की कीमत करोड़ों रुपए है। आशुतोष वर्मा ने पूछा कि क्या चंपत राय अकेले यह सब कर सकते हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर की लूट के पीछे बहुत ऊंचे स्तर पर साजिश रची जा रही है। जिसके संबंध नागपुर, दिल्ली और गुजरात तक फैले हुए हैं। सपा नेता ने कहा कि इस लूट से देश के 140 करोड़ लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता बनाए रखने के लिए स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। UP कांग्रेस के प्रतिननिधिमंडल दल ने आज यानी मंगलवार को अयोध्या के राम मंदिर में दर्शन-पूजन का ऐलान किया था। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की अगुवाई में प्रतिननिधिमंडल दल आज अयोध्या जाने की तैयारी कर रहा था। अयोध्या जाने से पहले ही पुलिस ने अजय राय समेत कई कांग्रेस नेताओं को नजरबंद कर दिया है। काग्रेस के प्रतिननिधिमंडल दल में 9 सदस्य शामिल हैं। इस दल में यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा, सीतापुर के सांसद राकेश राठौर, प्रयागराज के सांसद उज्जवल रमण सिंह, बाराबंकी के सांसद तनुज पुनिया सहित विधायक और पूर्व सांसद शामिल हैं। इस संबंध में अजय राय ने 'X' पर जानकारी दी थी।

## 4 साल की मासूम बच्ची का शव नदी के पास झाड़ियों में मिला

यूपी के जौनपुर जिले से एक बहुत ही दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां जफराबाद थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह में शामिल होने आई 4 साल की मासूम बच्ची का शव सोमवार सुबह सई नदी के किनारे झाड़ियों में पड़ा मिला। बच्ची शनिवार रात से अचानक गायब हो गई थी। परिवार वालों को शक है कि मासूम के साथ बर्बरता करने के बाद उसकी हत्या की गई है। जानकारी के अनुसार, 4 साल की मासूम बच्ची शनिवार को अपने माता-पिता के साथ नानी के घर एक शादी समारोह में शामिल होने आई थी। घर में चारों तरफ शादी की खुशियां थी और रस्में चल रही थी। द्वारचार के कार्यक्रम के दौरान जब सभी लोग काम में व्यस्त थे, तभी बच्ची खेलते-खेलते अचानक कहीं गायब हो गई। जब काफी देर तक बच्ची दिखाई नहीं दी, तो घरवालों ने घबराकर उसकी तलाश शुरू कर दी। पिता का रो- रोकर बुरा हाल है, उन्होंने बताया कि हमने पूरी रात चैन की सांस तक नहीं ली। गांव के एक-एक घर में जाकर अपनी बेटी को ढूंढा, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। सुबह उसकी लाश मिलने की खबर आई। हमारी दुनिया उजड़ गई, हमें सिर्फ इंसाफ चाहिए और कातिल को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। सोमवार सुबह जब गांव के लोग सई नदी के धनेजा घाट की तरफ गए, तो उन्होंने झाड़ियों में बच्ची का शव देखा। इसकी खबर तुरंत पुलिस और परिवार वालों को दी गई। मासूम का शव उसके ननिहाल से करीब 600 मीटर दूरी पर जाकर मिला है। जब लोगों ने शव को पास से देखा, तो बच्ची सफेद रंग की फ्रॉक पहने हुई थी और उसके चेहरे पर खून लगा हुआ था।

## वसुंधरा में चल रहे 47 कोचिंग सेंटरों को चिह्नित किया

लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आगजनी की घटना के बाद आवास विकास परिषद ने सख्ती बढ़ा दी है। परिषद ने आवास विकास क्षेत्र वसुंधरा में चल रहे 47 कोचिंग सेंटरों को चिह्नित किया। कोचिंग सेंटर रेजिडेंशल बिल्डिंग में चल रहे थे, जहां आग से बचाव के न तो कोई इंतजाम थे और न ही फायर डिपार्टमेंट की कोई एनओसी थी।आवास विकास की ओर से सभी चिह्नित कोचिंग संचालकों को नोटिस जारी कर दिया गया है। नोटिस में एक हफ्ते के भीतर खुद से सभी प्रकार की कमर्शल एक्टिविटीज को बंद करने का आदेश जारी किया गया है, अन्यथा आवास विकास की तरफ से सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। कोचिंग सेंटर समेत अन्य सभी प्रतिष्ठानों को बंद करने का आदेश दिया गया है। आवास विकास के अधिकारियों ने कहा कि फायर डिपार्टमेंट की तरफ से उनसे अवैध रूप से बगैर एनओसी के चल रहे ऐसे प्रतिष्ठानों के खिलाफ लिस्ट मांगी गई थी। इसके लिए एक हफ्ते का सर्वे करवाया गया। जो लोग अवैध रूप से रेजिडेंशल इलाकों में कमर्शल एक्टिविटीज कर रहे थे, उसमें डांस क्लास, कोचिंग सेंटर, कई तरह के ट्रेनिंग सेंटर आदि उन सबकी लिस्ट बनाकर फायर डिपार्टमेंट को सौंपी गई है। वसुंधरा सेक्टर 15, 16, 18, 14 में सबसे अधिक कोचिंग सेंटर और ट्रेनिंग सेंटर चलते मिले हैं। अधिकारियों के मुताबिक, रेजिडेंशल इलाके में कमर्शल एक्टिविटी को लेकर यह फैसला लिया गया है।

## पुलिस अधिकारियों को निशाना बनाकर उनके हथियार लूटते थे बदमाश

दरअसल बिहार का शूटर ललन सिंह बिहार से भागकर यूपी में छुपा था, ललन और उसके भाई खास तौर पर एएसआई और सब-इंस्पेक्टरों को निशाना बनाते थे और ऐसे पुलिसवालों को चुनते थे जिनके बारे में उन्हें लगता था कि वे जवाबी हमला नहीं करेंगे। ये लोग अचानक से इंस्पेक्टर पर हमला करते, फिर गोली मारते और फिर उनका सर्विस रिवॉल्वर या पिस्तौल छीनकर भाग जाते थे। ये बदमाश, पुलिस अधिकारियों से लूटे गए हथियारों का इस्तेमाल बड़ी बैंक डकैतियों और हत्याओं में करते थे, जिससे पुलिस हथियारों की बैलिस्टिक जांच में उलझी रहे। ललन सिंह उर्फ लल्लन ने अपने भाइयों मनीष सिंह, रजनीश और अपने गैंग मेम्बर्स के साथ मिलकर 16 मार्च 2016 को बिहार के नालंदा के ASI भुवनेश्वर सिंह को गोली मारकर घायल किया था और उनकी सरकारी रिवाल्वर लूटी थी। इन बदमाशों ने 18 अप्रैल 2016 को पटना में ASI सुरेश ठाकुर की गोली मारकर हत्या कर दी थी और उनकी सरकारी पिस्टल लूट ली थी। 24 सितंबर 2016 को को पटना में ASI आर के चौधरी की गोली मारकर हत्या कर दी थी और उनकी सरकारी पिस्टल लूट ली थी। बदमाशों ने 27 फरवरी 2017 को बिहार के नालन्दा में कैश वैन पर हमला कर उसके सुरक्षा गार्ड वर्जनन्दन प्रसाद सिंह और कैशियर रंजीत कुमार की हत्या कर बीस लाख रुपये लूट लिए थे। 6 मार्च 2017 को पटना में PNB बैंक के सामने अंधाधुंध फायरिंग करते हुए सुरक्षा गार्ड और कैश वैन के ड्राइवर की हत्या कर दी थी और 60 लाख रुपये लेकर फरार हो गए थे। 8 सितंबर 2022 को ललन सिंह अपने भाइयों के साथ पेशी के वक्त हवालात की दीवार तोड़कर फरार हो गया था। पटना से फरार होने के बाद उसने 1 नवंबर 2022 को चंदौली में गोली मारकर मोटरसाइकिल लूटी। 8 नवंबर 2022 को वाराणसी में 2015 बैच के उपनिरीक्षक अजय यादव को सीने में गोली मारी और सरकारी पिस्टल लूट ली। 21 नवंबर 2022 को ललन के दोनों भाई मुठभेड़ में मारे गए। ललन का एनकाउंटर 22 जून को यूपी एसटीएफ ने सहारनपुर में किया। यूपी एसटीएफ ने शनिवार को शूटर संजय को लखनऊ में मुठभेड़ में मार गिराया। संजय ने लखनऊ में दिनदहाड़े 27 मई को प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह की हत्या कर दी थी। संजय अम्बेडकरनगर के खान मुबारक गैंग का मेंबर रह चुका था और उसपर एक लाख का इनाम था और 13 मुकदमे दर्ज थे।